पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजभवन में झण्डारोहण किया
गणतंत्र दिवस परेड की ली सलामी
राजभवन में हुआ स्वल्पाहार का आयोजन

लखनऊः 26 जनवरी, 2019

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने 70वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजभवन में ध्वजारोहण करके 35वीं बटालियन पी0ए0सी0 का अभिवादन स्वीकार किया। इस अवसर पर उपस्थित राजभवन के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सुरक्षाकर्मियों से राज्यपाल ने भेंट की तथा गणतंत्र दिवस की बधाई दी।

राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस के अपने बधाई संदेश में कहा है कि यह वर्ष उत्तर प्रदेश के लिये विशेष है। इस वर्ष प्रयागराज में भव्य एवं दिव्य कुम्भ का आयोजन हो रहा है तथा लोकसभा सदस्यों के निर्वाचन हेतु चुनाव भी होने हैं। उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक आबादी वाला प्रदेश है। दोनों ही अवसर उत्तर प्रदेश के साथ-साथ देश को दिशा देंगे एवं विकास के मार्ग पर प्रशस्त करेंगे। उत्तर प्रदेश का विकास होगा तो देश का भी विकास होगा। उन्होंने मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया।

राजभवन में ध्वजारोहण के पश्चात् राज्यपाल ने विधान भवन के समक्ष गणतंत्र दिवस परेड की सलामी ली व परेड का अवलोकन किया। परेड का आयोजन लखनऊ जिला प्रशासन द्वारा किया जाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा, मंत्रिमण्डल के अन्य सदस्य, स्थानीय सांसद, विधायक, वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस एवं सेना के अधिकारीगण सहित बड़ी संख्या में आमजन भी उपस्थित थे।

परेड में सेना, पुलिस, पी0ए0सी0, होमगार्डस, विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा मार्च पास्ट किया गया तथा विभिन्न विभागों एवं विद्यालयों द्वारा झांकी भी निकाली गयी। प्रदेश के स्थानीय कलाकारों ने भी समूह नृत्य व अन्य प्रस्तुतियाँ दी।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजभवन में राज्यपाल श्री राम नाईक की ओर से स्वल्पाहार का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा, मंत्री श्री आशुतोष टण्डन, मंत्री डॉ0 रीता बहुगुणा जोशी, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ0 महेन्द्र सिंह व मंत्रिमण्डल के अन्य सदस्यगण, पूर्व मंत्री अम्मार रिज़वी, विभिन्न धर्मों के धर्मगुरू, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व उनके परिजन, शहीदों के परिजन, वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस एवं सेना के अधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

अंजुम/ललित/राजभवन (27/27)